

PROF. (DR.) DEVI PRASAD DWIVEDI

Prof. (Dr.) Devi Prasad Dwivedi, Professor, Department of Modern languages and linguistics, Sampurana Nand Sanskrit University, Varanasi, is a renowned creative writer besides being the Acharya of Sri Kashi Vishwanath Temple, Varanasi. He has also held the posts of Deputy Director,Yoga Sadhana Kendra and Shankaracharya Madapam in Sampurana Nand Sanskrit University, Varanasi. He is Visitor's Nominee in the University of Assam, Silchar. He has been nominated as Swachh Bharat Ambassador by the Prime Minister of India. At present, he is a Member of Uttar Pradesh Public Service Commission.

2. Born on October 20, 1956, Prof. (Dr.) Dwivedi completed his MA in Sociology from Banaras Hindu University, M.A in Sanskrit Literature (Sahityacharya) & P.G in Linguistic Science from Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi. After teaching Linguistic Science in Sampurnaanand Sanskrit University for over 30 year, Prof. Dwivedi is contributing his services as Member of Uttar Pradesh Public Service Commission.

3. Prof.(Dr.) Dwivedi has the credit of publishing various research papers including 'Kavya Swaroop Vimersh', 'Vakya Vijjan Niroopanam', 'Sanskrit Bhartiya Sanskritih', 'Bhartiya Varna Pad Wakaya Vijjan', 'Bauddhanaye Nirwanswaroop Vimershah'. He has also authored four books including 'Bauddh Darshan Meemansha', Çhittra Champu Kavyasya Sampadnam', 'Sankrit Dhwani Vijjian', & 'Kavyashastriya Paribhasik Sabdon ki Nirukti'. The second and fourth books have been awarded by U.P. Govt.

4. Prof. (Dr.) Dwivedi has participated in several national seminars on Literature. He has also been editor of the daily 'Janavarta'for more than two years. His spiritual discourses have been broadcasted by Akashvani, Varanasi and telecasted on many T.V channels. He is trustee of Sri Veni Madhav Trust, Meerjapur, Sri Visheshwar Trust, Varanasi & Sri Kashi Vishwanath Mandir Nyasa. Besides, he is trustee / President of Sri Kali Math & Lakshmanpura Math, Varanasi. Moreover, he is member of Management Committee Arya Mahila N.M Model School Varanasi. Well versed in Yajurveda Karmakanda, he has written over 100 analytical articles, published in National Daily News Papers, on Vedic & Puranic festivals.

5. Prof.(Dr.) Dwivedi is the recipient of numerous prestigious awards and honours including 'PADMASHRI' by Govt of India in 2011, 'Sanskrit Acharay Ratna'in 2010, 'Veda Pandit' Award by U.P. Sanskrit Sansthan Lucknow in 1995 & Gold Medal in linguistic Science by Sampurna Nand Sanskrit University, Varanasi.



प्रो. (डॉ.) देवी प्रसाद द्विवेदी

प्रो. (डॉ.) देवी प्रसाद द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के मार्डन लैंगुएज एंड लिंग्विस्टिक्स विभाग में प्रोफेसर हैं और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी के आचार्य होने के साथ-साथ एक प्रख्यात सृजनात्मक लेखक हैं। आपने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में योग साधना केन्द्र और शंकराचार्य मण्डपम् के उप निदेशक के पदों को भी संभाल रखा है। आप असम विश्वविद्यालय, सिलचर में विजिटर्स नामिनी भी हैं। आपको भारत के प्रधान मंत्री द्वारा स्वच्छ भारत का एम्बेस्डर भी नामित किया गया है। वर्तमान में आप उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य भी हैं।

2. आपका जन्म 20 अक्तूबर, 1956 को हुआ था और आपने बनारस हिन्दू विश्वविधालय से समाजशास्त्र में एम. ए. की उपाधि प्राप्त की और तत्पश्चात सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय से संस्कृत साहित्य (साहित्याचार्य) एम. ए. और भाषा विज्ञान में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। 30 से भी अधिक वर्षों तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान का अध्यापन कार्य करने के पश्चात आप उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

3. आपको विभिन्न शोध पेपर प्रकाशित कराने का भी गौरव प्राप्त है जिनमें 'काव्य स्वरूप विमर्श'; ''वाक्य विज्ञान निरूपम'', 'संस्कृत भारतीय संस्कृति', 'भारतीय वर्ण पद वाक्य विज्ञान', ''बौद्धानये निर्वाणस्वरूप विमर्श'', आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं। आप चार पुस्तकों के भी लेखक है जिनमें बौद्ध दर्शन ''मीमांशा'', ''चित्र चम्पू काव्यस्य सम्पदम्'', संस्कृत ध्वनिविज्ञान और काव्यशास्त्रीय परिभाषिक शब्दों की निरूक्ति शामिल है और इनमें से आपकी दूसरी और चौथी पुस्तकों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है।

4. आपने अनेकों राष्ट्रीय साहित्यिक सेमिनारों में भाग लिया है। आप दो से अधिक वर्षों से दैनिक ''जनवार्ता'' समाचार पत्र के सम्पादक भी रहे हैं। आपके आध्यात्मिक प्रवचनों को आकाशवाणी, वाराणसी द्वारा प्रसारित किया गया और इसे बहुत सारे टी.वी. चैनलों में भी दिखाया गया है। आप श्री वेणी माधव ट्रस्ट, मिर्जापुर, श्री विश्वेश्वर ट्रस्ट, वाराणसी और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के ट्रस्टी हैं। इसके साथ-साथ, आप काली मठ और लक्ष्मणपुरा मठ, वाराणसी के ट्रस्टी/अध्यक्ष भी हैं। इसके अलावा, आप आर्य महिला एन.एम. मॉडल स्कूल, वाराणसी प्रबंधन समिति के सदस्य हैं। यजुर्वेद कर्मकाण्ड के प्रकाण्ड विद्वान होने के फलस्वरूप, आपने वैदिक एवं पौराणिक त्योहारों पर 100 से अधिक विश्लेषणात्मक लेख लिखे हैं और उन्हें राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया हो

5. वर्ष 2011 में भारत सरकार से ''पद्मश्री'' सम्मान प्राप्त करने के साथ-साथ आपने अनेकानेक अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं सम्मान भी प्राप्त किए हैं जिनमें वर्ष 2010 में 'संस्कृत आचार्य रत्न', उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा वर्ष 1995 में ''वेद पंडित'' पुरस्कार और सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा प्रदत्त भाषा विज्ञान में स्वर्ण पदक शामिल हैं।